पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने ओड़िशा दिवस का उद्घाटन किया

लखनऊः 01 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह, गोमती नगर में लखनऊ उड़िया समाज द्वारा आयोजित ओड़िशा दिवस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लखनऊ उड़िया समाज के अध्यक्ष, श्री गोपबन्धु पटनायक, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष, श्री एन0सी0 बाजपेई सहित उड़िया समाज के पदाधिकारी व अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ में ओड़िशा दिवस का आयोजन उड़िसा की संस्कृति को जानने का अवसर है। उड़िशा अपनी संस्कृति तथा ऐतिहासिक धरोहर जैसे गुफाएं, मंदिर, बौद्ध-विहार, भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आदि के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे आयोजन से अपनत्व और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। अपने प्रदेश का दिवस मनाना प्रदेश की गरिमा को बढ़ाने जैसा है।

श्री नाईक ने कहा कि उड़िशा का नाम अब ओड़िशा है। किसी भी प्रदेश के नाम का भाषान्तर नहीं हो सकता। मुंबई पहले भी मुंबई था लेकिन समय के साथ उसका नाम बम्बई हो गया था। संसद में उनके तीन साल के संघर्ष के बाद मुंबई नाम वापस हुआ। मुंबई के बाद कोलकाता, चेन्नई, बंगलुरू व अन्य स्थानों का नाम भी अपने मूर्तरूप में वापस आया। उन्होंने कहा कि अपने प्रदेश एवं शहरों का नाम अभिमान के साथ बनाये रखने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि जैसे लखनऊ में ओड़िशा दिवस मनाया जाता है उसी प्रकार मुंबई में 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस पिछले 24 सालों से मनाया जा रहा है। मुंबई में उत्तर प्रदेश के बहुत लोग रहते हैं। राज्यपाल ने कहा कि उनकी इच्छा है कि उत्तर प्रदेश दिवस भी पूरे धूमधाम से मनाया जाय। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस मनाना वास्तव में प्रदेश की गरिमा को बढ़ाने की बात है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर लखनऊ उड़िया समाज की स्मारिका 'निर्माल्या' तथा अयोध्या शोध संस्थान के 'अयोध्या पंचांग' का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने ओडिशी नृत्यागंना सुश्री मीरादास को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

समारोह में सुश्री मीरादास एवं उनके साथियों ने जगन्नाथ मंगलम, लय-ताल-समन्वय, वन्दे उत्कल जननी तथा अहिल्या नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी ।

ओड़िशा दिवस
ଦିବସ

D.R. Sahu

D.R. Sahu
G. Pattanaik
S.K.Chaudhury

G. Pattanaik
S.K.Chaudhury